Ecc

Chapter 1

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1 דִּבְרֵי קֹהֶלֶת בֶּן־ דָּוִד מֶלֶךְ בִּירוּשָׁלָֽם׃
वचन कोहेलेत-के पुत्र- दाऊद-के राजा यरूशलेम-में
H1697 H6953 H1732 H4428 H3389

ये उपदेशक के शब्द हैं। उपदेशक दाऊद का पुत्र था और यरूशलेम का राजा था।

2 הֲבֵל הֲבָלִים אָמַר קֹהֶלֶת הֲבֵל הֲבָלִים הַכֹּל הָבֶל׃
व्यर्थता व्यर्थताओं-की कहा कोहेलेत-ने व्यर्थता व्यर्थताओं-की सब-कुछ व्यर्थता
H1892 H1892 H0559 H6953 H1892 H3605 H1892

उपदेशक का कहना है कि हर वस्तु अर्थहीन है और अकारथ है! मतलब यह का हर बात व्यर्थ है!

3 מַה־ יִּתְרוֹן לָאָדָם בְּכָל־ עֲמָלוֹ שֶׁיַּעֲמֹל תַּחַת הַשָּׁמֶשׁ׃
क्या- लाभ मनुष्य-को सारे- परिश्रम-में जो-वह-परिश्रम-करता-है नीचे सूर्य-के
H4100 H3504 H0120 H3605 H5999 H5998 H8478 H8121

इस जीवन में लोग जो कड़ी मेहनत करते हैं, उससे उन्हें सचमुच क्या कोई लाभ होता है? नहीं!

4 דּוֹר הֹלֵךְ וְדוֹר בָּא וְהָאָרֶץ לְעוֹלָם עֹמֶדֶת׃
पीढ़ी जाती-है और-पीढ़ी आती-है परन्तु-पृथ्वी सदा बनी-रहती-है
H1755 H1980 H1755 H0935 H0776 H5769 H5975

एक पीढ़ी आती है और दूसरी चली जाती है किन्तु संसार सदा यूँ ही बना रहता है।

5 וְזָרַח הַשֶּׁמֶשׁ וּבָא הַשֶּׁמֶשׁ וְאֶל־ מְקוֹמוֹ שׁוֹאֵף הוּא זוֹרֵחַ שָׁם׃
और-उदय-होता-है सूर्य और-अस्त-होता-है सूर्य और- अपने-स्थान-को हाँफता-हुआ वह उदय-होता-है वहाँ
H2224 H8121 H0935 H8121 H0413 H4725 H7602 H1931 H2224 H8033

सूरज उगता है और फिर ढल जाता है और फिर सूरज शीघ्र ही उसी स्थान से उदय होने की शीघ्रता करता है।

6 וְעַל־ הָרוּחַ הוֹלֵךְ סֹבֵב וְסוֹבֵב צָפוֹן אֶל־ וְסוֹבֵב דָּרוֹם אֶל־ הוֹלֵךְ
और- वायु चलती-है घूमते घूमते- उत्तर की-ओर- और-घूमती-है दक्षिण की-ओर- चलती-है
H7307 H1980 H5437 H5437 H6828 H0413 H5437 H1864 H0413 H1980

הָרוּחַ׃ שָׁב סְבִיבֹתֶיהָ
वायु लौटती-है अपने-चक्करों-पर
H7307 H7725 H5439

वायु दक्षिण दिशा की ओर बहती है और वायु उत्तर की ओर बहने लगती है। वायु एक चक्र में घूमती रहती है और फिर वायु जहाँ से चली थी वापस वहीं बहने लगती है।

7 כָּל־ הַנְּחָלִים הֹלְכִים אֶל־ הַיָּם וְהַיָּם אֵינֶנּוּ מָלֵא אֶל־ מְקוֹם שֶׁהַנְּחָלִים
सब- नदियाँ बहती-हैं की-ओर- समुद्र परन्तु-समुद्र नहीं-होता भरा-हुआ की-ओर- स्थान जहाँ-नदियाँ
H3605 H5158 H1980 H0413 H3220 H3220 H0369 H4392 H0413 H4725

הֵם שָׁבִים לָלֶכֶת׃ שָׁם הֵם הֹלְכִים
वे लौटती-हैं बहने-के-लिए वहाँ बहती-हैं
H1992 H7725 H3212 H8033 H1980

सभी नदियाँ एक ही स्थान की ओर बार—बार बहा करती है। वे सभी समुद्र से आ मिलती हैं, किन्तु फिर भी समुद्र कभी नहीं भरता।

8

לִרְאוֹת	עַיִן	תִּשְׂבָּע	לֹא־	לְדַבֵּר	אִישׁ	יוּכַל	לֹא־	יְגֵעִים	הַדְּבָרִים	כָּל־	
देखने-से	आँख	तृप्त-होती	नहीं-	बोलने-में	मनुष्य	सकता	नहीं-	थका-देनेवाली	बातें	सब-	
H7200		H7646	H3808	H1696	H0376	H3201	H3808	H3023	H1697	H3605	

מִשְׁמֹעַ׃	אֹזֶן	תִּמָּלֵא	וְלֹא־
सुनने-से	कान	भरता	और-नहीं-
H8085	H0241	H4390	H3808

शब्द वस्तुओं का पूरा—पूरा वर्णन नहीं कर सकते। लेकिन लोग अपने विचार को व्यक्त नहीं कर पाते, सदा बोलते ही रहते हैं। शब्द हमारे कानों में बार—बार पड़ते हैं किन्तु उनसे हमारे कान कभी भी भरते नहीं हैं। हमारी आँखें भी, जो कुछ वे देखती हं, उससे कभी अघाती नहीं हैं।

9

חָדָשׁ	כָּל־	וְאֵין	שֶׁיֵּעָשֶׂה	הִוא	שֶׁנַּעֲשָׂה	וּמַה־	שֶׁיִּהְיֶה	הֻוא	שֶׁהָיָה	מַה־	
नई	कोई-	और-नहीं-है	किया-जाएगा	वही	किया-गया-है	और-जो-	होगा	वही	हो-चुका-है	जो-	
H2319	H3605	H0369		H1931		H4100	H1961	H1931	H1961	H4100	

הַשָּׁמֶשׁ׃	תָּחַת
सूर्य-के	नीचे
H8121	H8478

प्रारम्भ से ही वस्तुएँ जैसी थी वैसी ही बनी हुई हैं। सब कुछ वैसे ही होता रहेगा, जैसे सदा से होता आ रहा है। इस जीवन में कुछ भी नया नहीं है।

10

אֲשֶׁר	לְעֹלָמִים	הָיָה	כְּבָר	הִוא	חָדָשׁ	זֶה	רְאֵה־	שֶׁיֹּאמַר	דָּבָר	יֵשׁ
जो	युगों-में	थी	पहले-से	है	नई	यह	देखो-	जिसके-विषय-में-कहे	बात	है
	H5769	H1961	H3528	H1931	H2319	H2088	H7200	H0559	H1697	H3426

מִלְּפָנֵנוּ׃	הָיָה
हमसे-पहले	थे
H6440	H1961

कोई व्यक्ति कह सकता है, “देखो, यह बात नई है!” किन्तु वह बात तो सदा से हो रही थी। वह तो हमसे भी पहले से हो रही थी!

11

שֶׁיִּהְיוּ	עִם	זִכָּרוֹן	לָהֶם	יִהְיֶה	לֹא־	שֶׁיִּהְיוּ	לָאַחֲרֹנִים	וְגַם	לָרִאשֹׁנִים	זִכָּרוֹן	אֵין
जो-होंगे	साथ	स्मरण	उनका	होगा	नहीं-	जो-होंगे	बाद-वालों-का	और-भी	पहलों-का	स्मरण	नहीं-है
H1961		H2146	H1992	H1961	H3808	H1961	H0314	H1571	H7223	H2146	H0369

לָאַחֲרֹנָה׃	פ
अंत-में	—
H0314	

वे बातें जो बहुत पहले घट चुकी हैं, उन्हें लोग याद नहीं करते और आगे भी लोग उन बातों को याद नहीं करेंगे जो अब घट रही हैं और उसके बाद भी अन्य लोग उन बातों को याद नहीं रखेंगे जिन्हें उनके पहले के लोगों ने किया था।

12

בִּירוּשָׁלִָם׃	יִשְׂרָאֵל	עַל־	מֶלֶךְ	הָיִיתִי	קֹהֶלֶת	אֲנִי
यरूशलेम-में	इस्राएल	पर-	राजा	था	कोहेलेत	मैं
H3389	H3478		H4428	H1961	H6953	H0589

मैं, जो कि एक उपदेशक हूँ, यरूशलेम में इस्राएल का राजा हुआ कत्ता था और आज भी हूँ।

13

אֲשֶׁר	כָּל־	עַל	בָּחָכְמָה	וְלָתוּר	לִדְרוֹשׁ	לִבִּי	אֶת־	וְנָתַתִּי			
जो	सब-	विषय-में	बुद्धि-से	और-छानबीन-करने-में	खोजने-में	अपना-मन	—	और-मैंने-लगाया			
	H3605		H2451	H8446	H1875		H0853	H5414			

הָאָדָם	לִבְנֵי	אֱלֹהִים	נָתַן	רָע	עִנְיָן	וְהִוא	הַשָּׁמָיִם	תַּחַת	נַעֲשָׂה
मनुष्य-के	पुत्रों-को	परमेश्वर-ने	दिया-है	बुरा	कठिन-कार्य	यह	आकाश-के	नीचे	किया-जाता-है
H0120		H0430	H5414		H6045	H1931	H8064	H8478	

בָּהּ׃	לַעֲנוֹת
उसमें	लगे-रहने-के-लिए

मैंने निश्चय किया कि मैं इस जीवन में जो कुछ होता है उसे जानने के लिये अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए उसका अध्ययन करूँ। मैंने जाना कि परमेश्वर ने हमें करने के लिये जो यह काम दिया है वह बहुत कठिन है।

14

רָאִיתִי	मैंने-देखा	H7200
אֶת־	—	H0853
כָּל־	सब-	H3605
הַמַּעֲשִׂים	कार्यों-को	H4639
שֶׁנַּעֲשׂוּ	जो-किए-जाते-हैं	
תַּחַת	नीचे	H8478
הַשָּׁמֶשׁ	सूर्य-के	H8121
וְהִנֵּה	और-देखो	H2009
הַכֹּל	सब-कुछ	H3605
הֶבֶל	व्यर्थता	H1892
וּרְעוּת	और-वायु-को	H7469
רוּחַ׃	पकड़ना	H7307

> इस पृथ्वी पर की सभी वस्तुओं पर मैंने दृष्टि डाली और देखा कि यह सब कुछ व्यर्थ है। यह वैसा ही है जैसा वायु को पकड़ना।

15

מְעֻוָּת	टेढ़ा	H5791
לֹא־	नहीं-	H3808
יוּכַל	सकता	H3201
לִתְקֹן	सीधा-होना	H8626
וְחֶסְרוֹן	और-घटी	H2642
לֹא־	नहीं-	H3808
יוּכַל	सकती	H3201
לְהִמָּנוֹת׃	गिनी-जाना	H4487

> तुम उन बातों को बदल नहीं सकते। यदि कोई बात टेढ़ी है तो तुम उसे सीधी नहीं कर सकते और यदि किसी वस्तु का अभाव है तो तुम यह नहीं कह सकते कि वह वस्तु वहाँ है।

16

דִּבַּרְתִּי	कहा	H1696
אֲנִי	मैंने	H0589
עִם־	में-	
לִבִּי	अपने-मन	
לֵאמֹר	कहते-हुए	H0559
אֲנִי	मैंने	H0589
הִנֵּה	देखो	H2009
הִגְדַּלְתִּי	बढ़ाई-है	H1431
וְהוֹסַפְתִּי	और-जोड़ी-है	H3254
חָכְמָה	बुद्धि	H2451
עַל	से-अधिक	
כָּל־	सब-	H3605
אֲשֶׁר־	जो-	
הָיָה	थे	H1961
לְפָנַי	मुझसे-पहले	H6440
עַל־	पर-	
יְרוּשָׁלִָם	यरूशलेम	H3389
וְלִבִּי	और-मेरे-मन-ने	
רָאָה	देखी-है	H7200
הַרְבֵּה	बहुत	
חָכְמָה	बुद्धि	H2451
וָדָעַת׃	और-ज्ञान	H1847

> मैंने अपने आप से कहा, "मैं बहुत बुद्धिमान हूँ। मुझसे पहले यरूशलेम में जिन राजाओं ने राज्य किया है, मैं उन सब से अधिक बुद्धिमान हूँ। मैं जानता हूँ कि वास्तव में बुद्धि और ज्ञान क्या है!"

17

וָאֶתְּנָה	और-मैंने-लगाया	H5414
לִבִּי	अपना-मन	
לָדַעַת	जानने-में	H3045
חָכְמָה	बुद्धि	H2451
וְדַעַת	और-ज्ञान	H3045
הוֹלֵלוֹת	पागलपन	H1947
וְשִׂכְלוּת	और-मूर्खता	
יָדַעְתִּי	मैंने-जाना	H3045
שֶׁגַּם־	कि-यह-भी-	H1571
זֶה	यह	H2088
הוּא	है	H1931
רַעְיוֹן	वायु-को	H7475
רוּחַ׃	पकड़ना	H7307

> मैंने यह जानने का निश्चय किया कि मूर्खतापूर्ण चिन्तन से विवेक और ज्ञान किस प्रकार श्रेष्ठ हैं। किन्तु मुझे ज्ञात हुआ कि विवेकी बनने का प्रयास वैसा ही है जैसे वायु को पकड़ने का प्रयत्न।

18

כִּי	क्योंकि	
בְּרֹב	बहुत-	H7230
חָכְמָה	बुद्धि-में	H2451
רָב־	बहुत-	
כָּעַס	खेद	
וְיוֹסִיף	और-जो-बढ़ाता-है	H3254
דַּעַת	ज्ञान	H1847
יוֹסִיף	बढ़ाता-है	H3254
מַכְאוֹב׃	पीड़ा	H4341

> क्योंकि अधिक ज्ञान के साथ हताशा भी उपजती है। वह व्यक्ति जो अधिक ज्ञान प्राप्त करता है वह अधिक दुःख भी प्राप्त करता है।